

of society, in other cases banks are expected to provide credit on the basis of their own assessment and bear the risks involved.

सवाई माधोपुर में विभिन्न बैंकों की शाखाएँ खोलना

5497. श्री भीकालाल परेन : क्या उच्च प्रबन्धन मंत्री तथा वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या राजस्थान में बैंकों की दृष्टि से सब से अधिक पिछड़े जिले सवाई माधोपुर में आगामी वर्ष में विभिन्न बैंकों की शाखाएँ खोलने के बारे में कोई योजना है और यदि हाँ, तो शाखाओं की संख्या कितनी है और उपरोक्त जिले में उन कस्बों और गाँवों के नाम क्या हैं जहाँ इन शाखाओं को खोलने का विचार है और यदि नहीं, तो उस के क्या कारण हैं और क्या उस की एक सूची सप्ताह पत्र पर रखी जायेगी ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बुद्धिकार चन्नाह) : जी हाँ, 1 दिसम्बर 1978 के अन्त को स्थिति के अनुसार बैंकों के पास तीन स्थानों के लिये लाइसेंस थे। इस के अलावा सवाई माधोपुर के जिले में 26 और स्थानों में 1979-81 के दौरान शाखाएँ खोलने के लिये बैंकों को लाइसेंस दिये गये हैं। इन 29 स्थानों की एक सूची संलग्न विवरण में है।

विवरण

राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के उन स्थानों के नाम यहाँ 1979-81 की तीन वर्षों की अवधि के दौरान बैंक कार्यालय खोलने की योजना है।

बैंक का नाम जिसे शाखा खोलने का काम सौंपा गया है

स्थान का नाम

1

2

बैंक प्राफ बढ़ीया	1. खिरनी
	2. उवाई कला
	3. बिहोरा
	4. कटकर
	5. भगवत गढ़
	6. सूरवास
	7. बेलभीपुर
	8. पाधोटापुञ्ज
	9. कुरवाँव
	10. मरोली
	11. सेवा
	12. गहर
	13. कामरी बुजर्ग
	14. बहुरवाड़ा बुर्ग

1

2

15. पालोदी
16. खोरला बुजर्ग
17. पिलोया
18. बानधीप
19. उवाई बुर्ग
20. पिपलाई
21. कैमला
22. कुदेरा
23. मलारना चौर
24. पीपल्वा
25. बालाघाट
26. महुकला
27. मलारना बुंजर*
28. सवाई माधोपुर*
29. गंगापुर सिटी*

बैंक प्राफ राजस्थान लिमिटेड
सिप्लुस बैंक प्राफ इण्डिया
इलाहबाद बैंक

*इन स्थानों के लाइसेंस बैंकों के पास पहिले से मौजूद हैं।

भरतपुर में बाना पत्ती सरणस्थल का विकास

5498. श्री राम किशन : क्या पर्यटन और नागर विभाजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनको पता है कि भरतपुर में बाना पत्ती सरणस्थल भारतीय तथा विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य स्थान है;

(ख) यदि हाँ, तो क्या इस क्षेत्र के विकास की सरकार की कोई योजना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या भारत सरकार स्वयं प्रथम होटल कारपोरेशन पर्यटकों के रहने की व्यवस्था करेगी और यह सुविधा कब तक दे दी जायेगी ?

पर्यटन और नागर विभाजन मंत्री (श्री मुकुन्दलाल औसिक) : (क) जी, हाँ।

(ख) और (ग) केन्द्रीय पर्यटन विभाग द्वारा भरतपुर पत्ती सरण स्थल में एक नया बुर्ग (36 बैड) का पहले ही निर्माण किया जा चुका है जिस का अगले भारत पर्यटन विकास विभाग द्वारा किया जा रहा है। अगलास में बहोसरी के लिए, बाना योजना अर्थात् कीर्णम एक उपयुक्त स्थान पर टैटो वाले आवास की व्यवस्था करने का प्रस्ताव है। प्राणियों द्वारा पहिले

के अभावकोक को सुविधाजनक बनाने के लिये, केन्द्रीय पर्यटन विभाग ने दो मिनी-ब्लॉक और 5 ब्रीकाब्लॉक की भी व्यवस्था की है। इस के अतिरिक्त पत्ती खरण स्वयं के बाहर एक यात्री गृह है। ट्रीटल निगम की इस खरण स्वयं में आवास व्यवस्था करने की कोई योजनाएं नहीं हैं।

पटसन के वस्तुओं के निर्यात में कमी

5499. श्री महादीपक सिंह रावब : क्या बाणिज्य तथा नागरिक प्रति और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पटसन की वस्तुओं के निर्यात में वर्ष 1976-77 की तुलना में वर्ष 1977-78 में कमी आई है;

(ख) क्या कलकत्ता से बाहर जाने वाली पटसन की वस्तुओं को कई स्तरों से मजूरना पड़ता है और एक बड़े डालने वाले नियमों का सामना करना पड़ता है ; और

(ग) क्या सरकार का विचार पटसन वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि करने के लिए कोई नई नीति बनाने का है ?

बाणिज्य, नागरिक प्रति तथा सहकारिता मंत्रालय में रावब मंत्री (श्री बाणिक बेग) : (क) जी नहीं।

(ख) पटसन की वस्तुओं के निर्यात, निर्यात संविदाओं के पंजीकरण की स्वीच्छक प्रणाली, क्वालिटटी नियंत्रण, पोतलवान पूर्व निरीक्षण तथा पोत-परिवहन वस्तानेजों के किलयर किए जाने के अग्र्याधीन किए जाते हैं।

(ग) सरकार, पटसन की वस्तुओं के निर्यात विभाजन पर कड़ी निगरानी रख रही है और निर्यात को बढ़ाने के लिये आवश्यक कदम उठा रही है। उत्पाद विविधीकरण तथा बाजार का पता लगाने के क्षेत्र में नये सिरे से प्रयास करने का विचार है।

Export of Barytes

5500. SHRI BAIRAGI JENA: Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) that there is great potential for export of barytes and that the vast reserve remain unexploited owing to lack of internal demand;

(b) is it a fact that Government have restricted export mine owners only to the extent of quantities exported by them;

(c) are Government aware that the above restriction preclude the small mine owners who are unable to effect bulk shipment left and, or, at the mercy of the big mine owners; and

(d) what steps Government propose to take to rationalise and maximise export with due protection to small mill owners in view of large untapped external market and the domestic availability?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI ARIF BAIG): (a) In view of the comfortable reserve position and limited indigenous demand, there is a good scope for export of barytes, provided supplies can be made at internationally competitive prices.

(b) Yes, Sir. According to the current policy, export of barytes (lumps and powder) is allowed to (i) MMTC and (ii) mineowners holding leases as on 31st March, 1978 to an extent not exceeding their own production.

(c) The above policy does not preclude small mine-owners having leases as on 31-3-1978 from exporting. In case of any difficulties, they are free to route their exports through MMTC.

(d) MMTC has been making efforts to diversify the barytes export markets to increase its export.

Petition from Tobacco Merchants Association

5501. SHRI MANOHAR LAL: Will the DEPUTY PRIME MINISTER AND MINISTER OF FINANCE be pleased to state:

(a) what effective steps have been taken in the matter of petition dated 30-11-78 of the Tobacco Merchants Association Kaimganj, in respect of in-built statutory safeguards to ensure the integrity of the administrative machinery